शब्द–ब्रह्म
E ISSN 2320 – 0871
भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 जून 2023
पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

सम्पादकीय

साहित्य की सम्प्रेषणीयता और हमारा वर्तमान काल

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर के डॉ.परमेश्वर दत्त शर्मा शोध संस्थान द्वारा साहित्य की सम्प्रेषणीयता और हमारा वर्तमान विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्घाटन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ.रेणु जैन ने किया। साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश शासन के निदेशक डॉ.विकास दवे विशिष्ट अतिथि थे। अध्यक्षता समिति के सभापति श्री सत्यनारायण सत्तन ने की। उद्घाटन सत्र में डॉ.रेणु जैन ने कहा कि संस्कृति का इतिहास साहित्य में दृष्टिगोचर होता है। समाज इससे प्रेरणा हासिल कर अपने लक्ष्य निर्धारित करता है। सकारात्मक दिशा में बदलाव की भूमिका साहित्य निर्मित करता है। डॉ.जैन ने समिति के पुस्तकालय का अवलोकन करते हुए कहा कि यहां रखी हुई 50 हजार पुस्तकें हमारी समृद्धि की निशानी हैं। यह विश्वविद्यालय की भी धरोहर है। डॉ.विकास दवे ने समिति शताब्दी सम्मान से पुरस्कृत साहित्यकार श्री अग्निशेखर (कश्मीर) और डॉ.देवेंद्र दीपक (भोपाल) के साहित्यिक अवदान पर बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने अग्निशेखर के साहित्य में विस्थापन की वेदना और डॉ.देवेंद्र दीपक के साहित्य में समरसता के प्रति चिंताओं को रेखांकित किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण सत्तन ने कहा कि शोध का आधार चिंतन होता है। बिना साधना के शोध को आकार नहीं दिया जा सकता। समिति के प्रधानमंत्री श्री अरविंद जवलेकर ने शोध संस्थान और संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर स्मृति शेष श्री सुखदेवसिंह कश्यप के काव्य संग्रह 'पतझर झरे पलाश' और डॉ.मुकेश भार्गव की पुस्तक 'चंद्रकांत देवताले के काव्य का कथ्य एवं शिल्पगत अनुशीलन' का विमोचन किया गया। विमोचन के बाद श्री गिरेंद्रसिंह भदौरिया ने सुखदेवसिंह कश्यप की पुस्तक पर विचार व्यक्त किए। शोध संगोष्ठी के द्वितीय एवं तृतीय सत्र में 'साहित्य की सम्प्रेषणीयता और हमार वर्तमान काल' विषय पर डॉ.वंदना अग्निहोत्री, डॉ.पुरुषोत्तम दुबे, डॉ.योगेंद्रनाथ शुक्ल, डॉ.पद्मासिंह के अलावा शोधार्थी यशवंत काछी, मंजू यादव, गौरव गौतम, अर्चना त्रिवेदी आदि ने अपने शोध आलेख का वाचन किया। संगोष्ठी में 30 शोधार्थियों ने सहभागिता की। प्रारंभ में अरविंद जवलेकर, सूर्यकांत नागर, राजेश शर्मा, अनिल भोजे, अरविंद ओझा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर वी.डी.ज्ञानी, राकेश शर्मा, डॉ.शशि निगम, डॉ.मितेश चौधरी, प्रो.प्रवीण शर्मा, डॉ.ज्योति सिंह, ब्रजेश त्रिपाठी, नेहा उदासी, शिवानी ब्रजवासी, पूनम ब्राले, सोमेश सिंह तोमर, डॉ.मनोज जोशी, डॉ.प्रदीप पुरे सहित अनेक प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित थे। संचालन एवं प्रस्तावना शोध संगोष्ठी के संयोजक डॉ.पुष्पेंद्र दुबे ने प्रस्तुत की। आभार श्री हरेराम वाजपेयी ने माना।